चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	25-4-23	4	4-6

Girl students with their degrees after the convocation ceremony at Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University, Hisar, on Monday. PHOTO: ASHOK KUNDU

Increase agri production without damaging environment: Murmu

Hails achievements of women scientists at HAU

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, APRIL 24

President of India Droupadi Murmu, while chairing the convocation ceremony at Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University (HAU) here today, was delighted that the maximum gold medallists in the varsity were girls.

Addressing the 25th convocation of the Haryana Agriculture University, the President said, "Universities should act as laboratories from where knowledge spreads and benefits the entire society. It is a matter of great satisfaction and pride that our daughters are ...

PRAISES VARSITY'S ROLE IN AGRI EDUCATION

> The HAU made significant contribution in agricultural education, research and extension. It also played a major role in success of the Green and White Revolution. **Droupadi Murmu,** PRESIDENT

... ing soil fertility, climate change etc had become major challenges to the agriculture sector.

"It is the responsibility of agricultural professionals to find a permanent solution to these challenges," exhorted the President.

She urged the students to make devoted efforts so that nutritious food could be made available to our ...

... an opportunity and make the best use of your academic knowledge and experience," said Murmu.

Haryana Governor Bandaru Dattatraya, while congratulating the students who received degrees and medals, said the untiring efforts of the teachers who had imparted knowledge, skills, innovation, research and values to the students

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Time of India	25-4-23	3	2-5

At NDRI convocation, President hails women's contribution to dairy sector

Amit Kumar & Kumar Mukesh | TNN

The CM and governor welcome President Droupadi Murmu in Hisar

Karnal/Hisar: President Droupadi Murmu on Monday hailed women's involvement in the dairy sector, saying that their contributions made India self-reliant in milk production.

Murmu was in Haryana to attend the convocations of National Dairy Research Institute (NDRI) in Karnal and Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (CCSHAU) in Hiar. In Karnal, she said there was a need to encourage woman entrepreneurs by providing equal opportunities to avail loans, get trained, and have access to market. The President, addressing students at NDRI in Karnal during its 19th convocation, also hailed the institute's contribution to white revolution. During the convocation, 545 students were awarded BTech, post-graduate and doctorate degrees. Six meritorious students were awarded gold medals. Murmu also lauded NDRI's efforts in cloning livestock cattle. "NDRI has crossed new milestones by producing clones of cows and buffaloes. Animal cloning can play a key role in multiplying elite animals faster and conserving endangered breeds," she said. "Women have 70% representation in India's dairy sector. It is a matter of pride that today more than one-third of the degree awardees are girls. The dairy sector holds special importance in making women self-reliant and in bringing changes in their social and economic status," Murmu added.

In Hisar, addressing students of CCSHAU, Murmu said she was the daughter of a farmer, so she had great interest in agriculture-related subjects. "Today there are many concerns in front of agriculture, like increasing population, shrinking agricultural land, falling groundwater level, decreasing fertility of soil, climate change, for which it is the responsibility of agricultural professionals like you to find solutions," she said. The President awarded gold medals to 124 students. Here too, she hailed women in the course, saying that 70% of medal winners were from the gender.

Meanwhile, governor Bandaru Dattatraya said NDRI had a rich history of excellence in research and education in dairy science, animal husbandry and allied areas. CM Manohar Lal Khattar, who too attended the event, said the state will provide loans to unemployed youth interested in the dairy industry.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.4.23	4	2-8

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, मैं खुद किसान की बेटी हूं...ये जानने के लिए आई- कैसे हमारा युवा किसान, कृषि व देश के खाद्यान्न के बारे में सोच रहा है

17 मिनट के भाषण में राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन सहित कई कृषि चुनौतियों का जिक्र किया

हिसार, 24 अप्रैल (राठी) : मैं खुद किसान की बेटी हूं। इसलिए मैं कृषि से जुड़े किसानों, नये तकनीकों व नवाचारों में अधिक रुचि रखती हूं। मैं जानने के लिए यहां आई कि कैसे हमारा युवा किसान, कृषि और देश के खाद्यान्न के बारे में सोच रहा है। हरियाणा में तीसरी बार आना हुआ। [illegible]

यह बात भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यहां चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए कही। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता हरियाणा के राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने की। [illegible] मुख्यमंत्री मनोहर लाल व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। [illegible]

करीब एक घंटा 11 मिनट तक चले इस समारोह में अपने 17 मिनट के भाषण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों को लेकर अपनी बात रखी। [illegible]

विद्यार्थी विश्वविद्यालय से प्राप्त ज्ञान व नई-नई जानकारियों के बल पर किसानों की मदद कर कृषि क्षेत्र को नए आयाम दें

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि [illegible]

उन्होंने समारोह के [illegible] 25वें दीक्षांत समारोह में स्नातक व स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने वाले [illegible] विद्यार्थियों में लड़कियों की संख्या अधिक है। [illegible]

शैक्षणिक शोभा यात्रा निकालकर किया राष्ट्रपति का स्वागत

दीक्षांत समारोह की शुरुआत में दोपहर बाद 3.35 बजे मुख्यातिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत शैक्षणिक शोभा यात्रा निकालकर किया, जिसके 4 मिनट बाद दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना की। [illegible] राष्ट्रगान से कार्यक्रम की शुरुआत की। प्रदेश के राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने दीक्षांत समारोह की शुरुआत करने की घोषणा की। उसके बाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों व विद्यार्थियों का अभिवादन किया।

जल का मितव्ययता के साथ उपयोग किया जाना समय की मांग

राष्ट्रपति ने कहा कि खेती की लागत को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने, उसे पर्यावरण अनुकूल बनाने तथा उसको और अधिक लाभकारी बनाने में तकनीक की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि पानी कृषि का एक अहम घटक है जो सीमित मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि जल का मितव्ययता के साथ उपयोग किया जाए।

सिंचाई में तकनीक का अधिकतम प्रयोग होना चाहिए जिससे जल-संसाधन का दोहन [illegible] उन्होंने कहा कि पराली जलाने से [illegible] पंजाब, हरियाणा और दिल्ली क्षेत्र में वायु प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है। [illegible] का समाधान न सिर्फ अपने स्वास्थ्य के लिए बल्कि आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए भी ढूंढना है। इस अवसर पर मुख्यातिथि द्वारा [illegible] नामक पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की नई उपलब्धियां बताईं। साथ ही उन्होंने स्नातक-परास्नातक उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में लड़कियों की संख्या लड़कों की तुलना में अधिक होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने हकृवि द्वारा नए शोध व नवाचारों को अपनाते हुए किसानों तक उनके लाभ पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय को प्रेरित भी किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दीक्षांत समारोह में बोलते हुए।

दीक्षांत समारोह की शुरुआत में मुख्यातिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को शैक्षणिक शोभा यात्रा निकाल कर लाते हुए। साथ में हैं राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री व कुलपति।

स्नातक स्तर के गोल्ड मेडल पाने वालों में 35 लड़कियां व 9 लड़के

एचएयू मैरिट गोल्ड मेडल (एग्रीकल्चर (ऑनर्स) [illegible]) : 31 विद्यार्थियों को संबंधित विषय में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

ए.एल. फ्लेचर गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को बी.एससी. ऑनर्स एग्रीकल्चर/होम साइंस में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

इंटरनेशनल वुमन ईयर 1975 गोल्ड मेडल : तीन विद्यार्थियों को बी.एससी. ऑनर्स होम साइंस में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

डी.बी.एस. [illegible] गोल्ड मेडल : तीन विद्यार्थियों को बी.एससी. ऑनर्स एग्रीकल्चर में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति छात्रा को गोल्ड मेडल देते हुए।

डिग्री मिलने पर खुशी जाहिर करती हुई छात्राएं।

परास्नातक एवं डॉक्टरेट स्तर के गोल्ड मेडल पाने वालों में 54 लड़कियां व 26 लड़के

डॉ. डी.डी. [illegible] गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को बेस्ट पीएच.डी. रिसर्च वर्क के लिए।

किन्नर [illegible] गोल्ड मेडल फॉर वुमन : सात विद्यार्थियों को बेस्ट पीएच.डी. थिसिस के लिए।

डॉ. आर.एस. पाल मेमोरियल गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को बेस्ट पी.एच.डी. थिसिस के लिए।

डॉ. [illegible] सिंगल गोल्ड मेडल : तीन विद्यार्थियों को हरियाणा में ग्रामीण विकास पर गृह-विज्ञान की पी.एच.डी. थिसिस के लिए।

प्रो. रत्न लाल गोल्ड मेडल : दो विद्यार्थियों को मृदा विज्ञान में बेस्ट रिसर्च वर्क के लिए।

डॉ. [illegible] गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को एम.एससी. होम साइंस में अधिकतम अंक लेने व क्वालिटी थिसिस के लिए।

डॉ. रामधन सिंह गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को एम.एससी. जेनेटिक्स एवं प्लांट ब्रीडिंग में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

डॉ. एस.डी. [illegible] गोल्ड मेडल : छह विद्यार्थियों को एम.एससी. मृदा विज्ञान [illegible] में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

डॉ. एस.आर. [illegible] गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को एम.एससी. माइक्रोबायोलॉजी में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

डॉ. एस.बी. [illegible] मेमोरियल गोल्ड मेडल : पांच विद्यार्थियों को एम.एससी. एग्रोनॉमी में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

यूनिवर्सिटी लेवल गोल्ड मेडल : 22 विद्यार्थियों को एम.एससी./पी.एच.डी. में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए एकीकृत कृषि मॉडल अपनाने पर दिया जा रहा है बल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान में पूरा संसार जब खाद्यान्न संकट का सामना कर रहा है, तो इस विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के बल पर ही भारत खाद्यान्न निर्यात करने की स्थिति में है। इस समय जब हम जल संकट का सामना कर रहे हैं, तो कम पानी में उगने वाली फसलों के अधिक पैदावार वाले बीज विकसित करके यह संस्थान हमें इस संकट से उबरने में भी मदद कर रहा है। इसके अलावा कृषि उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने व किसानों की अतिरिक्त आय उपलब्ध करवाने के लिए एकीकृत कृषि मॉडल अपनाने पर बल दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए ऐसी किस्में विकसित करनी होंगी, जिनको कम पानी की आवश्यकता हो।

कुलपति ने गिनवाई हकृवि की उपलब्धियां

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कुल 865 विद्यार्थियों को डिग्री दी जा रही है, जिनमें 124 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल भी दिए जा रहे हैं। परास्नातक एवं डॉक्टरेट स्तर के गोल्ड मेडल पाने वालों में 54 लड़कियां व 26 लड़के हैं, जबकि स्नातक स्तर के गोल्ड मेडल पाने वालों में 35 लड़कियां व 9 लड़के हैं।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 69 विद्यार्थियों को [illegible] व 30 विद्यार्थियों को आस्ट्रेलिया [illegible] के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर आर्गेनिक फार्मिंग की स्थापना की गई है। प्रदेश में मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय में मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय खोला गया है। विश्वविद्यालय की ओर से वर्ष 2023 को मोटा अनाज के तौर पर मना रहा है, जिसके लिए बाजरा की एक व ज्वार की तीन उन्नत किस्में विकसित की हैं।

दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक विजेता विद्यार्थी मुख्यातिथि के साथ।

राष्ट्रपति का काफिला गुजरा तो एयरपोर्ट से एच.एच.यू. तक पुलिस ने कोई वाहन उस रास्ते पर नहीं आने दिया

हिसार (ब्यूरो) : पुलिस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के काफिले के एयरपोर्ट से एच.ए.यू. तक जाने के दौरान उस रूट पर किसी अन्य वाहन को नहीं आने दिया। जिसके चलते फव्वारा चौक और सिविल अस्पताल मोड़ पर पुलिस ने वाहन रोके रखे। काफिला जाने के बाद पुलिस ने वहां फंसे वाहनों को निकाला।

पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए थे। राष्ट्रपति का काफिला 1.40 बजे सिविल अस्पताल के साथ से बस स्टैंड की तरफ बढ़ा। काफिला निकला तो पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से वाहनों को बैरिकेड लगाकर रोक दिया। काफिला गुजरने के बाद वाहनों को निकाला गया।

इस दौरान वाहन जाम में फंस गए। जानकारी के अनुसार पुलिस प्रशासन की तरफ से एयरपोर्ट चौक से एच.ए.यू. परिसर तक कुछ-कुछ दूरी पर पुलिस कर्मी तैनात कर रखे थे। रास्ते के बीच में लगे कट्टों को बंद किया हुआ था। काफिले में करीब 47 गाड़ियां शामिल थीं। शाम को समारोह समाप्त होने के बाद 5.15 बजे काफिला एच.ए.यू. से एयरपोर्ट के लिए निकला। तब भी रास्ते पर किसी प्राइवेट वाहन को नहीं चलने दिया। बाद में यातायात सुचारू हो पाया।

शहर के हर चौक पर पुलिस, पांच बजे बाद जाम के हालात

हिसार। शहर में राष्ट्रपति के आगमन के चलते हर चौक पर बड़े स्तर पर पुलिस देखने को मिली। पुलिस की निगरानी में पूरा शहर नजर आया। शहर के हर चौक के मुख्य चौक पर [illegible] की गाड़ियां लगाई गई थी और सिग्नल रोड को बंद करने के प्रबंध किये गये थे। [illegible] पुलिस ने नाके बंदी कर रखी है। इसी का परिणाम रहा कि दिन के समय मुख्य सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम देखने को मिली। [illegible] बजने के बाद शहर के मुख्य चौकों पर जाम की स्थिति देखने को मिली। [illegible] चौक, तलाकी गेट से गुरुद्वारे तक और [illegible] चौक पर जाम कुछ समय के लिए लग गया। हालांकि पुलिस का प्रत्येक चौक पर मौजूद था और ट्रैफिक को नियंत्रण किए हुए था। शहर के मुख्य बाजारों और मुख्य सड़कों पर आम दिनों के मुकाबले आवागमन कम था। [illegible] पुलिस द्वारा [illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-4-23	4	1-8

सुनहरी खुशी...

दो बहनों समेत 6 को मिला एएल फ्लेचर स्वर्ण पदक

दीक्षांत समारोह : शिक्षा के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी सर्वश्रेष्ठ रहने वाले विद्यार्थियों को मिलता है यह पदक

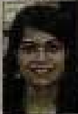

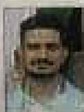

ग्वार की नई प्रजातियों की खोज में लगीं रीना तो उर्वरक प्रबंधन के उपाय खोज रहीं गरिमा

कृषि क्षेत्र में नौजवानों की बढ़ रही रुचि, प्रोत्साहन से उत्साहित नए वैज्ञानिक

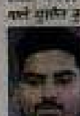

समारोह में 865 विद्यार्थियों को मिली उपाधि

सीएम ने चौधरी चरण सिंह को याद किया

सीएम ने कहा-जय पहलवान भी बोलें

अमित को प्रथम श्रेणी में मिली स्नातकोत्तर की उपाधि

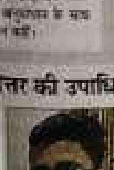

अमित भाटिया

समारोह की झलकियां

राष्ट्रपति ने खाई सादी दाल और रोटी

ए ग्लोरियस जर्नी पुस्तक का किया विमोचन

शैक्षणिक शोभा यात्रा के साथ शुरू हुआ समारोह

पीजी के लिए कुलाधिपति ने की घोषणा

अवसर को यादगार बनाने में जुटे रहे मेधावी

केवल कार्ड वालों को ही मिली एंट्री

राष्ट्रपति की अगुवाई में निकली शोभा यात्रा...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-4-23	3	2-6

स्वर्णिम पल...

[illegible]

124 विद्यार्थियों में से 89 बेटियां बनीं गोल्ड मेडलिस्ट

एचएयू के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बोलीं-हरियाणा के बेटे-बेटियां किसानों की समस्याओं को सुलझाने में जुटे हैं

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ रही हरियाणा की बेटियों की सराहना की। दीक्षांत समारोह में 124 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान किए गए, जिनमें 89 बेटियां शामिल रहीं। इनमें से चार को मंच पर राष्ट्रपति ने सम्मानित किया।

विवि के इंदिरा चक्रवर्ती सभागार में आयोजित 25वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि वे खुद किसान की बेटी हैं। बेहद कम समय में तीन बार हरियाणा आ चुकी हैं। उनकी कई क्षेत्रों में रुचि है, लेकिन सबसे अधिक रुचि कृषि क्षेत्र में है।

वह जानना चाहती थीं कि भारत की आबादी जिस तरह से बढ़ रही है, अन्नदाता के लिए कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थी क्या व्यवस्था कर रहे हैं। वे खुद सीखना चाहती थीं। आज बहुत सारे बच्चे मिट्टी से जुड़े क्षेत्र में काम नहीं करना चाहते। वह देख रही हैं कि यहां लड़कों के साथ लड़कियां किसानों की जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के लिए आगे बढ़ रही हैं।

खेती की लागत को कम करना जरूरी

हरित क्रांति व श्वेत क्रांति में एचएयू के अहम योगदान की सराहना की। एचएयू अपने स्थापना के समय से ही कृषि, शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार विषय में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। खेती की लागत को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने व अधिक लाभदायक बनाने में नई तकनीक की अहम भूमिका है।

उन्होंने अनाज, फल-फूल, दुग्ध उत्पादन, पशुपालन व बकरी पालन जैसे नए विषयों को उद्योगों के रूप में विकसित कर रोजगार के रूप में अपनाने पर बल दिया। उन्होंने एचएयू द्वारा खोले गए बेबी अनुसंधान केंद्र, कृषि विज्ञान केंद्र को सफल उत्पादन तकनीकों के प्रसार आदि के लिए किसानों के साथ मिलकर चलने के लिए प्रेरित भी किया।

भारत एक स्टार्टअप हब के रूप में उभरा है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको-सिस्टम आज भारत में है। ऐसे में कृषि और इससे जुड़े कई क्षेत्रों में स्टार्टअप की प्रचुर संभावनाएं हैं। इसलिए युवाओं को आगे आकर रोजगार पाने के बजाय रोजगार देने वाला बनना होगा।

हिसार एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति का स्वागत करते राज्यपाल, मुख्यमंत्री व अन्य। संवाद

चावल की खेती में पानी बचाने का प्रयास

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में [illegible] है। एचएयू ने प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने [illegible] उत्कृष्टता केंद्र के साथ ही 123 एकड़ में जैविक कृषि फार्म की स्थापना की है। [illegible] के लिए विश्वविद्यालय द्वारा [illegible] अनुसंधान केंद्र की [illegible] स्थापित किया गया है। जल संरक्षण नीति के तहत विश्वविद्यालय ने चावल की खेती में पानी को बचाने के लिए प्रत्यक्ष [illegible] तकनीक का विकास किया है।

संबंधित फोटो देखने के लिए स्कैन करें QR code

एचएयू में दीक्षांत समारोह में होनहार छात्रा को सम्मानित करतीं राष्ट्रपति। संवाद

अनुसंधान और विकास देश की उन्नति का आधार : दत्तात्रेय

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कृषि विश्वविद्यालय की नई उपलब्धियां बताईं। उन्होंने स्नातक-स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में लड़कियों की संख्या लड़कों की तुलना में अधिक होने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने एचएयू द्वारा नए शोध व [illegible] की [illegible] हुए उन्होंने अनुसंधान और विकास को देश की उन्नति का आधार बताया। उन्होंने एचएयू द्वारा [illegible], स्टार्टअप सेंटर द्वारा [illegible] कृषि विज्ञान केंद्र पर 7 [illegible] रिसर्च स्टेशन, [illegible] स्थापित करने के लिए एचएयू की सराहना की।

79 विद्यार्थियों को रिसर्च के लिए विदेश भेजा : प्रो. कांबोज

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि विवि के 69 विद्यार्थियों को [illegible] व 10 विद्यार्थियों को आस्ट्रेलिया कृषि की नवीनतम शोध तकनीक सीखने के लिए भेजा गया है। [illegible] 230 [illegible] की है, [illegible] हैं।

संबंधित खबर पेज-[illegible]

दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सम्मानित करते कुलपति कांबोज। संवाद

मार्च-अप्रैल में बारिश से किसानों को नुकसान, शोध की जरूरत : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद [illegible] विश्वविद्यालय से [illegible] किसानों की सेवा में लगाते हुए उनके जीवन में खुशहाली लाने का प्रयास करें। [illegible] मौसम भी चुनौती बन रहा है। इस साल मार्च व अप्रैल माह में [illegible] पर बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ। इससे पहले 2015 में भी किसानों को इसी तरह से [illegible] के कारण नुकसान [illegible] था। इस पर अध्ययन करने की जरूरत है। अनाज उत्पादन के बाद भंडारण व विपणन के लिए भी काम करने की आवश्यकता है।

राष्ट्रपति के काफिले से शहर में लगा जाम

एचएयू के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति के आगमन के चलते एयरपोर्ट से एचएयू तक पुलिस कर्मी सुरक्षा में तैनात रहे। दोपहर 1 बजकर 40 मिनट पर जब राष्ट्रपति का काफिला शहर से गुजरा तो सुरक्षा के लिहाज से अन्य वाहनों को [illegible] रोक दिया। काफिले के गुजरने के बाद वाहनों को गुजरने दिया। इस दौरान जाम की स्थिति बन गई। [illegible] गुजरने वाले काफिले में करीब 47 गाड़ियां शामिल रहीं। समारोह समाप्त होने के बाद शाम 5.15 मिनट पर काफिला एचएयू से एयरपोर्ट के लिए निकला। इस दौरान फिर से वाहनों के पहिये रोक दिए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-4-23	4	1-8

हिसार भास्कर

हांसी • बरवाला • आदमपुर | नारनौंद • उकलाना मंडी • अग्रोहा

dainikbhaskar.com

3.59 मिनट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दीप प्रज्वलित किया

एचएयू में 25वां दीक्षांत समारोह • चीफ गेस्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 17 मिनट भाषण दिया, बेटियों की तारीफ की

865 विद्यार्थियों को दीं डिग्रियां, इनमें 558 बेटियां, 124 को गोल्ड मेडल मिले, जिनमें 70 फीसदी बेटियों ने अपने नाम किए

ड्रेस कोड बदला, अंग्रेजों की परंपरा नहीं बदल पाए

डिग्रियां हवा में उछालते नजर आए स्टूडेंट्स

संघर्ष : वैलनटीना ने गोल्ड मेडल के लिए 20 साल तक लड़ा केस, अब राष्ट्रपति ने मेडल पहनाया तो मिली खुशी

इधर... एयरपोर्ट से एचएयू तक 10 किमी का सफर 7 मिनट में तय, ट्रैफिक 10 मिनट से ज्यादा नहीं रोका

फतेहाबाद डीएसपी अनिल ने इस तरह सुगम बनाया सफर

जिस एचएयू में दादा चलाते थे ट्रैक्टर वहां पढ़ी दो पोतियों ने पाया गोल्ड मेडल

...अब वीसी माइक टेप के लिए खुद उठे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25-4-23	3	1-8

अकेडमिक व खेल गतिविधि में बेहतर प्रदर्शन करने वालों को मिला मेडल

किसी को 10 साल तो किसी को 26 सालों के बाद मिला मेडल, राष्ट्रपति से सम्मान पाकर पलों को बनाया यादगार

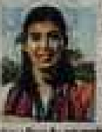

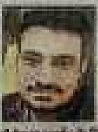

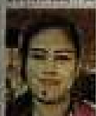

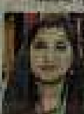

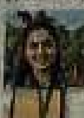

865 विद्यार्थियों को मिली उपाधि तो 124 विद्यार्थियों को मिले गोल्ड मेडल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25-4-23	2	3-8

श्वेत क्रांति में हरियाणा-पंजाब का अहम योगदान : द्रौपदी मुर्मू

कहा-हरियाणा के बुजुर्ग दूधो नहाओ, पूतो फलो का देते हैं आशीर्वाद

करनाल, 24 अप्रैल (कम्बोज): एन.डी.आर.आई. के दीक्षांत समारोह में मुख्यातिथि पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि श्वेत क्रांति में हरियाणा-पंजाब का अहम योगदान है। हरित क्रांति के बाद श्वेत क्रांति लाने में दोनों राज्यों की अहम भूमिका है। हरियाणा में पतिव्रता महिलाओं को बुजुर्ग दूधो नहाओ और पूतो फलो का आशीर्वाद देते हैं।

भारतीय परम्पराओं में पशुओं को सौभाग्य का प्रतीक माना गया है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में पशुओं खासतौर पर गाय की महत्ता पर जोर दिया गया है। हरियाणा की पहचान दूध-दही के खाने से रही है और इसी वजह से हरियाणा खेलों में भी नंबर वन है।

राष्ट्रपति ने प्रदीप नग, सुप्रिया, स्वीटी, कनिका, सुषमा कपूर व मयंक को गोल्ड मैडल देकर सम्मानित किया। वहीं एन.डी.आर.आई. द्वारा क्लोन से तैयार की गई पहली बछड़ी गंगा को हाथों से स्पर्श किया और संस्थान की एक बड़ी उपलब्धि बताया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते मनोहर लाल व बंडारू दत्तात्रेय।

दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है भारत

राष्ट्रपति ने कहा कि डेयरी उद्योग खाद्य सुरक्षा में बड़ा योगदान दे रहा है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक है, जो 8 करोड़ लोगों को आजीविका प्रदान करता है। दूध उत्पादन में 22 प्रतिशत हिस्सा है। डेयरी का भारतीय जी.डी.पी. में 5 प्रतिशत योगदान है। हरियाणा का दुग्ध उत्पादन 1127 ग्राम प्रति व्यक्ति है। इसे और बढ़ाने के लिए संस्थान प्रयासरत है।

राष्ट्रपति ने कहा कि डेयरियों में 70 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की है। आज डिग्री लेने वालों में भी एक तिहाई लड़कियां, गोल्ड मैडल लेने वालों में 50 प्रतिशत लड़कियां हैं।

राष्ट्रपति ने हकृवि के 25वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां व मैडल

हिसार (राठी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आज कृषि समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चिंताएं हैं जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों, वैज्ञानिकों का दायित्व है। आज ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे हमारी विशाल जनसंख्या को पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध करवाया जा सके। मुझे विश्वास है कि कृषि पेशेवर अपनी शिक्षा के बल पर इस चुनौती को अवसर में बदल देंगे।

एक छात्रा को डिग्री प्रदान करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

राष्ट्रपति ने आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां व गोल्ड मैडल प्रदान किए। समारोह में राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे.पी. दलाल और विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा, निकाय मंत्री डा. कमल गुप्ता, राज्यमंत्री अनूप धानक सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति ने कहा कि आज गोल्ड मैडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 70 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। यह संतोष और गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां कृषि एवं संबद्ध विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत एक स्टार्ट-अप हब के रूप में उभरा है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप ईको सिस्टम आज भारत में है।

60 प्रतिशत बेरोजगार युवा दुग्ध उत्पादन के लिए आगे आने को तैयार : मुख्यमंत्री

करनाल/हिसार (कम्बोज, राठी): एन.डी.आर.आई. स्थित दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकार द्वारा सर्वे करवाया गया जिसमें 60 प्रतिशत बेरोजगार युवाओं ने दुग्ध उत्पादन के लिए आगे आने में अपनी रुचि जाहिर की। राज्य सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को डेयरी उद्योग चलाने के लिए बैंकिंग क्षेत्र से लोन दिलाया जाएगा ताकि वह स्वरोजगार के साथ-साथ हरियाणा द्वारा पूरे देश की दूध आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

■ कहा-खेलों व सेना में हरियाणा का नाम दूध-दही के कारण

मनोहर लाल ने दानवीर कर्ण की नगरी तथा महान अंतरिक्ष वैज्ञानिक स्व. कल्पना चावला के जन्म स्थान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए कहा कि एन.डी.आर.आई. के कारण ही करनाल का नाम आज अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर है।

उन्होंने कहा देशों में देश हरियाणा, जित दूध-दही का खाणा की कहावत कही जाती है। दूध की बदौलत ही हरियाणा का मजबूत युवा जहां खेलों में देश के लिए पदक ला रहा है, वहीं देश की सीमा पर प्रहरी बनकर दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में हमेशा आगे रहता है।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि युवा वैज्ञानिक अपनी उपलब्धियों से कृषि विश्वविद्यालय के साथ-साथ हरियाणा का नाम देश-विदेश में रोशन करेंगे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी युवा वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि किसानों के लिए फसल विविधिकरण के साथ-साथ डेयरी, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, पौधारोपण, बायोगैस, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक कीटनाशक व जल संरक्षण पद्धतियों को भी बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। उन्होंने इस विश्वविद्यालय ने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में देश-विदेश में बड़ा नाम कमाया है। यही नहीं हरियाणा आज जिस समृद्धि और खुशहाली के मुकाम पर पहुंचा है उसमें इस विश्वविद्यालय का उल्लेखनीय योगदान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय का नाम किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर रखा गया। वे देश की खुशहाली के लिए कृषि में आधुनिक तकनीकों के उपयोग के पक्षधर थे। उन्होंने ही वर्ष 1979 में देश के उप-प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की थी, जो आज ग्रामीण विकास की धुरी बन चुका है।

डेयरी उद्योग लाखों लोगों को दे रहा रोजगार : राज्यपाल

कार्यक्रम में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है कि हरियाणा देश के दुग्ध उत्पादन में दूसरे स्थान पर है। डेयरी उद्योग हमारे देश के सबसे बड़े कृषि क्षेत्रों में से एक है जो लाखों लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है। एन.डी.आर.आई. का डेयरी विज्ञान, पशुपालन और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता का एक समृद्ध इतिहास रहा है।

दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि हकृवि भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में 5वें रैंक पर आता है। पिछले कुछ समय में ही इस विश्वविद्यालय ने समय की मांग अनुसार कार्य करते हुए मेन कैम्पस में मत्स्य विज्ञान और बायोटैक्नोलॉजी के 2 नए कॉलेजों की स्थापना की है। विश्वविद्यालय ने गुरुग्राम में कृषि उद्यमिता एवं व्यापार प्रबंधन संस्थान की भी स्थापना की है। इसी तरह से प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने दीन दयाल उपाध्याय उत्कृष्टता केन्द्र के नाम से जैविक कृषि फार्म की स्थापना की है।

उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने एक इलैक्ट्रिक ट्रैक्टर विकसित करने में कामयाबी हासिल की है। विश्वविद्यालय ने युवाओं के बीच कृषि उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेशन सैंटर स्थापित किए हैं, जिसके तहत 90 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	25-4-23	9	2-8

हिसार। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करती राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, साथ है राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, इंदिरा गांधी सभागार में प्रवेश से पहले आईडी कार्ड चैक करते हुए।

मैं भी किसान की बेटी हूं : महामहिम

आज मैं यह जानने यहां आई हूं कि हमारा युवा देश, किसान व खाद्यान्न के बारे में कैसे और क्या सोचता है

हकृवि के 25वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुईं राष्ट्रपति, अपने 17 मिनट के भाषण में बढ़ती आबादी, घटती जोत, किसानों की स्थिति, पानी की कमी व प्रदूषण पर बोलीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं किसान की बेटी हूं और मेरी पारिवारिक पृष्ठभूमि किसान परिवार की है। यह जानने के लिए यहां आई हूं कि कैसे हमारा युवा किसान, कृषि और देश के खाद्यान्न के बारे में सोच रहा है। उन्होंने सोमवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने पहुंची थीं। राष्ट्रपति ने अपने 17 मिनट के संबोधन में बढ़ती जनसंख्या, घटती कृषि जोत, देश के किसानों की मौजूदा स्थिति, पानी की कमी, पराली के जलाने से हो रहे प्रदूषण समेत कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर अपनी बात रखी। दीक्षांत समारोह में छात्राओं की भी विशेष उपलब्धियों के लिए सरकार की नीतियों की सराहना की।

राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल डिग्री, पुरस्कार या पदक प्रदान करने का ही अवसर नहीं है, बल्कि अर्जित क्षमताओं के माध्यम से चुनौतियों को स्वीकार करना तथा अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है, लेकिन आज शिक्षा संपूर्ण

भाषण लंबा होते देखे इशारों में संदेश

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज समारोह में अतिथियों का स्वागत करने तथा विवि की उपलब्धियों का बखान करने में [illegible]

विवि के सेल्फी प्वाइंटों ने किया आकर्षित

विवि प्रशासन ने समारोह स्थल के पास में कई सेल्फी प्वाइंट [illegible]

सुरक्षा के थे पुख्ता प्रबंध

राष्ट्रपति आगमन को लेकर हकृवि परिसर में सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। [illegible]

124 को प्रदान किए स्वर्ण पदक

[illegible]

अनुसंधान व विकास देश की प्रगति का आधार : राज्यपाल

हिसार। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि अनुसंधान तथा विकास किसी भी देश की प्रगति का आधार होते हैं। [illegible]

राष्ट्रपति से सम्मान पाने वाले 6 में से 4 महिलाएं

[illegible]

शैक्षणिक यात्रा के साथ महामहिम का आगमन

[illegible]

सीट पर बैठने से पहले किया नमस्कार

[illegible]

जब राज्यपाल को नहीं मिला माइक

[illegible]

मंत्री को अगली पंक्ति में नहीं मिली जगह

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25-4-23	9	2-5

एचएयू व एनडीआरआई के दीक्षांत समारोह में पहुंची राष्ट्रपति

हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहीं, यह गर्व का विषय : मुर्मू

किसी क्षेत्र में अनेक चुनौतियां, इनका समाधान खोजना पेशेवरों का दायित्व | केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में हरियाणा का देश में दूसरा बड़ा योगदान | हरियाणा के खान पान और खिलाड़ियों की तारीफ की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार/करनाल

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आज कृषि के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चिंताएं हैं, जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों, वैज्ञानिकों का दायित्व है। आज ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे हमारी विशाल जनसंख्या को पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए, पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। यह एक चुनौती भी है और अवसर भी। राष्ट्रपति मुर्मू ने सोमवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह और एनडीआरआई, करनाल में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां व गोल्ड मेडल प्रदान किए। राष्ट्रपति ने इस दौरान कहा कि हमारी बेटियां आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और यह गर्व का विषय है। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल और विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। (पैकेज पेज-2 पर)

डिग्री पाने वालों में 70 फीसदी छात्राएं

राष्ट्रपति ने कहा कि डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक बेटियों की संख्या से गौरवान्वित हुई। राष्ट्रपति ने कहा कि आज गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 70 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। यह संतोष और गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां कृषि एवं संबद्ध विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और सीएम मनोहर लाल। फोटो : हरिभूमि

चुनौतियों को स्वीकार करें

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल डिग्री, पुरस्कार या पदक प्राप्त करने का ही अवसर नहीं है, बल्कि अर्जित क्षमताओं के माध्यम से चुनौतियों को स्वीकार करना तथा अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर है।

करनाल में भी कार्यक्रम में शिरकत की

डेयरी सेक्टर में 70 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के 19वें दीक्षांत समारोह में 544 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की और गोल्ड मेडल से सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी अपने जीवन के नए अध्याय की ओर बढ़ रहे हैं, इसलिए आप हमेशा नया सीखने के लिए प्रयत्नशील रहें तथा जन कल्याण के लिए कार्य करें। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि आप राष्ट्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और डेयरी उद्योग में रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ उद्यमी अवश्य बनें। इस क्षेत्र में विकास की असीम संभावनाएं हैं और आपको इन संभावनाओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने कहा कि डेयरी उद्योग के प्रबंधन में नारी शक्ति अहम भूमिका निभा रही है। डेयरी सेक्टर में 70 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की है। राष्ट्रपति ने हरियाणा के खान पान और खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा के बच्चे खेलों में प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

544 विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां

सीएम ने दी बधाई, बोले

युवा वैज्ञानिक प्रदेश का नाम देश-विदेश में करेंगे रोशन

इस अवसर पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि युवा वैज्ञानिक अपनी उपलब्धियों से कृषि विश्वविद्यालय के साथ-साथ हरियाणा का नाम देश-विदेश में रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा अर्जन जैसी अद्भुत यात्रा की कहानी को सार्थक करने के लिए विद्यार्थियों को शिक्षा से प्राप्त ज्ञान को समाज सेवा में लगाकर बेहतर प्रमाण देंगे। मुख्यमंत्री ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी युवा वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि किसानों के लिए फसल विविधिकरण के साथ-साथ डेयरी, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, बागवानी, बायोगैस, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक खेती और जल संरक्षण पद्धतियों को भी बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। उन्होंने इस विश्वविद्यालय ने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में देश-विदेश में बड़ा नाम कमाया है। यही नहीं, हरियाणा प्रदेश आज जिस समृद्धि और खुशहाली के मुकाम पर पहुंचा है उसमें इस विश्वविद्यालय का उल्लेखनीय योगदान है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	25-4-23	3	2-8

राष्ट्रपति ने एनडीआरआई के 19वें व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में की शिरकत

'दूध-दही का खाना यो म्हारा हरियाणा' है प्रदेश की पहचान: मुर्मू

- गोल्ड मेडल पाने वालों में 70 फीसदी छात्राओं को देख हुईं गौरवान्वित

यशविन्दर/संदीप सिंहमार

करनाल/हिसार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरियाणा के खान-पान और खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा के बच्चे खेलों में प्रदेश व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सेनाओं में प्रदेश के युवा बड़ी संख्या में शामिल होते हैं। यह दर्शाता है कि दूध-दही का खाना यो म्हारा हरियाणा इस प्रदेश की पहचान है। सोमवार को राष्ट्रपति ने करनाल के राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान के 19वें दीक्षांत समारोह और हिसार में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में शिरकत की।

उन्होंने कहा कि भारत में गाय और भैंस की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं। कुछ नस्लें दूसरी नस्ल की तुलना में 4 से 5 गुना अधिक दूध देने की क्षमता रखती हैं। एनडीआरआई द्वारा दूध देने वाली गाय और भैंस का क्लोन बनाने की तकनीक विकसित की गई है, यह सराहनीय बात है। इससे पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता को बढ़ाया जा सकता है और किसानों की आय में भी वृद्धि होगी।

हरियाणा में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1127 ग्राम

सीएम ने कहा कि आज देश में दूध की उपलब्धता जहां 444 ग्राम प्रति व्यक्ति है वहीं हरियाणा में प्रतिदिन प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता 1127 ग्राम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का दुग्ध उत्पादन में देश में आज बेशक तीसरा स्थान है, परंतु उन्हें उम्मीद है कि किसानों के परिश्रम की बदौलत जल्द ही पंजाब व अन्य राज्य से आगे बढ़कर सर्वाधिक दूध उत्पादन वाला प्रदेश बन जाएगा।

युवाओं को डेयरी उद्योग के लिए बैंकों से ऋण दिलाएगी राज्य सरकार: मुख्यमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को डेयरी उद्योग चलाने के लिए बैंकिंग क्षेत्र से लोन दिलाया जाएगा ताकि युवा स्वरोजगार के साथ-साथ हरियाणा द्वारा पूरे देश को दूध आपूर्ति करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों सरकार द्वारा बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए सर्वे करवाया गया था, जिसमें 60 प्रतिशत युवाओं ने डेयरी के क्षेत्र में स्वरोजगार अपनाने की इच्छा जताई थी। ऐसे युवाओं के सपनों को पंख लगाने के लिए राज्य सरकार बैंकिंग क्षेत्र से बात करके सहकारी विभाग के माध्यम से 5 डेयरी उद्योग को स्थापित करवाने में सहयोग करेगी।

'कृषि के समक्ष चुनौतियों का खोजें हल'

हिसार में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आज कृषि के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक विकार हैं, जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों, वैज्ञानिकों का दायित्व है। आज ऐसे प्रयास करने होंगे, जिससे हमारी विशाल जनसंख्या को पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध करवाया जा सके। यह एक चुनौती भी है और अवसर भी। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि पेशेवर अपनी शिक्षा के बल पर इस चुनौती को अवसर में बदल देंगे। राष्ट्रपति ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां व गोल्ड मेडल प्रदान किये। डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक बेटियों की संख्या से गौरवान्वित हुईं राष्ट्रपति ने कहा कि आज गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 70 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। यह संतोष और गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां कृषि एवं संबद्ध विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं।

दूध उत्पादन और डेयरी सेक्टर को सस्टेनेबल बनाना चुनौती

राष्ट्रपति ने कहा कि दूध उत्पादन और डेयरी सेक्टर को सस्टेनेबल बनाना हमारे समक्ष एक चुनौती है, जिसका समाधान निकालने के लिए सरकार सहित सभी संस्थाओं के सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एनडीआरआई ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए विभिन्न तकनीकों को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही बायोगैस उत्पादन जैसी क्लीन एनर्जी पर भी बल दे रहा है।

हरियाणा देश के दुग्ध उत्पादन में दूसरे स्थान पर: राज्यपाल

इस अवसर पर हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रपति का हरियाणा की पावन धरा पर पधारने के लिए पूरे प्रदेश वासियों की तरफ से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यह बड़ी खुशी की बात है कि हरियाणा देश के दुग्ध उत्पादन में दूसरे स्थान पर आता है। एनडीआरआई करनाल में देसी गाय की बछड़ी का क्लोन बनाया है। उन्होंने कहा कि भारतीय डेयरी उद्योग में देश के आर्थिक विकास में योगदान देने और लाखों लोगों के जीवन में सुधार करने की अपार क्षमता है। सही नीतियों, निवेश और नवाचार के साथ, भारत डेयरी उद्योग में एक वैश्विक अग्रदूत बन सकता है, और यह दूसरी श्वेत क्रांति के लिए सही समय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-4-23	3	1-8

राष्ट्रपति ने कृषि वैज्ञानिकों से किया आह्वान, कृषि समक्ष चुनौतियां, समाधान खोजना कृषि पेशेवरों का दायित्व

*** राष्ट्रपति ने की कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता, विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां * डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक बेटियां, बेटियां अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही**

हिसार, 24 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आज कृषि के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चिंताएं हैं, जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों, वैज्ञानिकों का दायित्व है। आज ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे हमारी विशाल जनसंख्या को पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए पौषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। यह एक चुनौती भी है और अवसर भी। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि पेशेवर अपनी शिक्षा के बल पर इस चुनौती को अवसर में बदल देंगे। राष्ट्रपति ने आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां व गोल्ड मैडल प्रदान किए। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल और विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक बेटियों की संख्या से गौरवान्वित हुई राष्ट्रपति ने कहा कि आज गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 70 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। यह संतोष और गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां कृषि एवं संबद्ध विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं।

आज चुनौतियों को स्वीकार करने और अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर: इस अवसर पर राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल डिग्री, पुरस्कार या पदक प्रदान करने का ही अवसर नहीं है, बल्कि अर्जित क्षमताओं के माध्यम से चुनौतियों को स्वीकार करना तथा अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण क्षण है, लेकिन आज शिक्षा संपूर्ण नहीं हुई है, केवल एक हिस्सा पूरा हुआ है। कृषि विज्ञान के विद्यार्थी के रूप में आप सभी ने जो भी सीखा है, उसका व्यावहारिक रूप से उपयोग करने का अवसर

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए।

जीवन में आएगा। अब आप अन्नदाता किसान के साथ मिलकर कृषि के विकास में अपना योगदान देंगे और कृषि जगत की सेवा करते रहेंगे। श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने विद्यार्थियों को कहा कि आपको अपने ज्ञान और क्षमताओं के विस्तार के लिए दुनिया भर के नवीनतम नवाचारों से अवगत रहना होगा। आपका यह प्रयास देश को वैभवशाली राष्ट्र बनाने में सार्थक होगा। बड़ी जनसंख्या के बावजूद, आज भारत खाद्यान्न संकटग्रस्त देश से खाद्यान्न निर्यातक देश बन गया है। इसमें हमारे नीति-निर्माताओं, कृषि-वैज्ञानिकों और किसान भाइयों-बहनों का महत्वपूर्ण योगदान है।

हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य: राष्ट्रपति ने कहा कि आज हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों की किसान-हितैषी नीतियों, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की तकनीकी पहल और सबसे बढ़कर यहां के किसानों की नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनाने की इच्छा-शक्ति को जाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि यहां के मेहनती निवासियों की कुशाग्रता और सामर्थ्य के बल पर हरियाणा का भविष्य और भी उज्ज्वल होगा। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के समय से ही कृषि शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। हरित क्रांति और श्वेत क्रांति की सफलता में भी इस विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई है।

जल का मितव्ययता के साथ उपयोग किया जाना समय की मांग: राष्ट्रपति ने कहा कि खेती की लागत को कम करने, उत्पादकता बढ़ाने, उसे पर्यावरण अनुकूल बनाने तथा उसको और अधिक लाभकारी बनाने में तकनीक की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि पानी कृषि का एक अहम घटक है जो सीमित मात्रा में उपलब्ध है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि जल को मितव्ययता के साथ उपयोग किया जाए। सिंचाई में तकनीक का अधिकतम प्रयोग होना चाहिए जिससे जल-संसाधन का दोहन न्यूनतम हो सके।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में पांचवें रैंक पर: राज्यपाल

दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मैडल और पुरस्कार प्राप्त छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में पांचवें रैंक पर आता है। पिछले कुछ समय में ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने समय की मांग के अनुसार कार्य करते हुए मेन कैम्पस में मत्स्य विज्ञान और बायोटेक्नोलॉजी के दो नए कॉलेजों की स्थापना की है। विश्वविद्यालय ने गुरुग्राम में कृषि उद्यमिता एवं व्यापार प्रबंधन संस्थान की भी स्थापना की है। इसी तरह से प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने दीन दयाल उपाध्याय उत्कृष्टता केन्द्र के नाम से 123 एकड़ में जैविक कृषि फार्म की स्थापना की है। गेहूं और चावल के अतिरिक्त अन्य मोटे अनाजों के अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र को भिवानी के गोकुलपुरा में स्थापित किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्य स्क्रीन	25-4-23	5	2-8

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह का हुआ आयोजन, गुलामी के समय की टूटी परंपरा

राष्ट्रपति के हाथों मेडल और उपाधियां पाकर खिले चेहरे

■ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 124 विद्यार्थियों को मिले गोल्ड मेडल

हिसार। विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल प्रदान करती भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु।

नया ड्रेस कोड बना आकर्षण का केंद्र

कृषि क्षेत्र में वर्तमान में भी अनुसंधान की जरूरत: राज्यपाल

उत्पादन के साथ-साथ परंपरागत खेती पर भी जोर देना होगा: मनोहर लाल

हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य

जल का मितव्ययता के साथ उपयोग किया जाना समय की मांग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25-4-23	5	1-8

युवा वैज्ञानिक उपलब्धियों से विश्वविद्यालय के साथ हरियाणा का नाम करेंगे रोशन : मुख्यमंत्री

*** खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 183 लाख टन पर पहुंचा * कृषि उत्पादन बढ़ाने, लागत कम करने व आय बढ़ाने के लिए एकीकृत कृषि मॉडल पर दिया जा रहा है बल**

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में पधारने पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए। साथ में हैं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में मंचासीन। साथ में हैं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा मुख्यमंत्री मनोहर लाल, भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुए। साथ में हैं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल।

हिसार, 24 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि युवा वैज्ञानिक अपनी उपलब्धियों से कृषि विश्वविद्यालय के साथ-साथ हरियाणा का नाम देश-विदेश में रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थ आईए, सेवार्थ जाइये वाली कहावत को चरितार्थ करने के लिए विद्यार्थियों को शिक्षा से प्राप्त ज्ञान को समाज सेवा में लगाकर बेहतर प्रमाण देंगे। मुख्यमंत्री ने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी युवा वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि किसानों के लिए फसल विविधिकरण के साथ-साथ डेयरी, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, वृक्षारोपण, बायोगैस, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक कीटनाशक व जल संरक्षण पद्धतियों को भी बड़े पैमाने पर अपनाया जा रहा है। उन्होंने इस विश्वविद्यालय ने कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में देश-विदेश में बड़ा नाम कमाया है। यही नहीं, हरियाणा प्रदेश आज जिस समृद्धि और खुशहाली के मुकाम पर पहुंचा है, उसमें इस विश्वविद्यालय का उल्लेखनीय योगदान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के समय खाद्यान्न उत्पादन 26 लाख टन था, जो अनुसंधान पद्धतियों और कृषकों की जागरूकता और नए बीजों के उत्पादन से अब बढ़कर 183 लाख टन पर पहुंच गया है। इस विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किये गये बीजों, खेती की आधुनिक तकनीकों आदि को अपनाकर हरियाणा के किसान ने देश के अन्न भण्डार को भरा है। आज अनाज भण्डारण में आत्मनिर्भर होने के साथ दूसरे देशों में भी निर्यात किया जा रहा है। मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान में पूरा संसार जब खाद्यान्न संकट का सामना कर रहा है, तो इस विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के बल पर ही भारत खाद्यान्न निर्यात करने की स्थिति में है। इस समय जब हम जल संकट का सामना कर रहे हैं, तो कम पानी से उगने वाली फसलों के अधिक पैदावार वाले बीज विकसित करके यह संस्थान हमें इस संकट से उबरने में भी मदद कर रहा है। इसके अलावा कृषि उत्पादन बढ़ाने, उत्पादन लागत कम करने व किसानों को अतिरिक्त आय उपलब्ध करवाने के लिए एकीकृत कृषि मॉडल अपनाने पर बल दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय का नाम किसानों के मसीहा पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर रखा गया। वे देश की खुशहाली के लिए कृषि में आधुनिक तकनीकों के उपयोग के पक्षधर थे। उन्होंने ही वर्ष 1979 में देश के उप-प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की थी, जो आज ग्रामीण विकास की धुरी बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरित क्रांति से आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा जिसमें परम्परागत खेती में विविधिकरण से अन्न की गुणवत्ता और पानी की भी कमी हुई। पानी का अधिक दोहन हुआ जिसके कारण कई क्षेत्र डार्क जोन भी हो गए। इसलिए ऐसी चुनौतियों पर काबू पाने के लिए अध्ययन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि खेती करने वाले किसानों की फसलों को बचाव, कम या ज्यादा पानी का उपयोग, मिट्टी की गुणवत्ता पर भी अध्ययन करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान के साथ जय पहलवान करें और देश की प्रगति के लिए आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय की स्थापना के साथ ही नए एक्सीलेंट सेंटर खोलने का कार्य किया है। इसके अलावा हरियाणा में धान जैसी ज्यादा पानी से उगने वाली फसल के स्थान पर कम पानी से उगने वाली फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए "मेरा पानी-मेरी विरासत योजना" चलाई। दीक्षांत समारोह में राज्यसभा सांसद लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डी.पी. वत्स, मुख्य सचिव संजीव कौशल, पुलिस महानिदेशक पी.के. अग्रवाल, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बी.आर. काम्बोज सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25-4-23	1	2-8

क्लाइमेट स्मार्ट प्रौद्योगिकी अपनाएं, ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम करें : राष्ट्रपति

[illegible]

एनडीआरआइ करनाल और एचएयू हिसार के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

[illegible]

महिलाओं को निर्णय और नेतृत्व के लिए समान अधिकार व अवसर दिए जाएं

[illegible]

आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रदूषण की समस्या का हल ढूंढना ही होगा

[illegible]

मैं खुद हूं किसान की बेटी : मुर्मु

[illegible]

एचएयू का हरित-श्वेत क्रांति में योगदान, आयरन व जिंक की भरपूर मात्रा वाला बाजरा किया तैयार

[illegible]

अन्न की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं, शरीर पर हो रहा असर : मुख्यमंत्री

जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान के साथ अब जय पहलवान भी जोड़ें, चुनौतियों से पार पाने के लिए शोध की जरूरत : सीएम

[illegible]

[illegible]

युवा रोजगार देने वाले बनें न की लेने वाले : प्रो. काम्बोज

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में पांचवें रैंक पर : राज्यपाल दत्तात्रेय

[illegible]

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25-4-23	2	2-5

कृषि क्षेत्र में नए स्टार्टअप की अपार संभावनाएं : राष्ट्रपति

हिसार व करनाल में दीक्षांत समारोह में पहुंची द्रौपदी मुर्मु, बोलीं– कृषि से जुड़ी चुनौतियों का समाधान खोजना विज्ञानियों का दायित्व

जागरण संवाददाता, हिसार/करनाल : भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हिसार में कहा कि कृषि के समक्ष कठिन बड़ी चुनौतियां हैं। सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरता जल स्तर, घटती उर्वरता जैसी अनेक चिंताओं का समाधान कृषि विज्ञानियों को निकालना है। राष्ट्रपति करनाल में राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल में दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह पहुंची थीं। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि मंत्री जेपी दलाल मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बलदेवराज कम्बोज ने एचएयू की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि हमारी विशाल जनसंख्या को पर्यावरण और जैव विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। उम्मीद है युवा विज्ञानी अपनी शिक्षा के बल पर इस चुनौती को अवसर में बदल देंगे।

देश का पेट भरने में हरियाणा के किसान आगे

राष्ट्रपति ने कहा कि देशवासियों का पेट भरने में हरियाणा के किसान आगे रहे हैं। देश में हरियाणा दूसरा राज्य है जो सबसे ज्यादा अन्न उगाता है। उन्होंने कहा कि एचएयू में 18 हजार क्विंटल उन्नत किस्म का बीज प्रतिवर्ष तैयार होता है और इसे देश के अन्य राज्यों पर भेजा जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी फसल का चयन हो जिसमें पानी का प्रयोग कम हो। नई टेक्नोलॉजी के प्रयोग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

रोजगार प्रदाता और उद्यमी बनें

करनाल में राष्ट्रपति ने कहा कि देश की बढ़ती आबादी के साथ दुग्ध उत्पादों की मांग बढ़ रही है। पशुओं के लिए गुणवत्तापूर्ण चारे के प्रबंधन, जलवायु व मौसमी बदलाव तथा पशुओं की बीमारियों से डेरी सेक्टर जूझ रहा है। पर्यावरण अनुकूल क्लाइमेट स्मार्ट प्रौद्योगिकी से डेरी उद्योग का विकास करें। एनडीआरआइ डेरी फार्मों से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करने के साथ बायोगैस उत्पादन जैसी कार्बन न्यूट्रल योजनाओं पर कार्य कर रहा है। यह सराहनीय है। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को रोजगार प्रदाता और उद्यमी बनने के लिए कहा। यहां एनडीआरआइ के डेरी सेक्टर में उद्यमिता व स्टार्टअप को बढ़ावा देने के प्रयासों की भी सराहना।

हिसार के चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह में ... राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु। साथ में मौजूद- राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, सीएम मनोहर लाल, कृषि मंत्री जेपी दलाल व कुलपति प्रो. बीआर कंबोज। • सूचना विभाग

अन्न की गुणवत्ता पर फोकस रखना जरूरी : मनोहर

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आज के समय में अन्न की गुणवत्ता को सुधारने की जरूरत है। इसकी वजह यही है कि हमारे शरीर पर इसका असर हो रहा है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय अनुसंधान के साथ अब जय पहलवान भी जोड़ने की बात कही। उन्होंने कहा कि कृषि जगत में नए प्रयोग करने होंगे।

राज्यपाल ने एचएयू के प्रयास को सराहा

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि गेहूं और चावल के अतिरिक्त अन्य मोटे अनाजों के अनुसंधान के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र को भिवानी के गोकुलपुरा में स्थापित किया गया है। जल संरक्षण नीति के तहत विश्वविद्यालय ने धान की खेती में पानी को बचाने के लिए प्रत्यक्ष प्रत्यारोपण तकनीक का विकास किया है।

दुग्ध उत्पादन में हम नंबर वन : केंद्रीय कृषि मंत्री तोमर

करनाल में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि वैज्ञानिकों, पशुपालकों के समन्वित प्रयासों से आज हम दुग्ध उत्पादन में नंबर वन हैं। छोटे और भूमिहीन किसानों की रोजी-रोटी पशुपालन पर निर्भर करती है। भारत में प्रति व्यक्ति 444 ग्राम दूध की उपलब्धता है जबकि विश्व में औसत प्रति व्यक्ति दूध उपलब्धता 394 ग्राम है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि यह दूसरी श्वेत क्रांति के लिए उत्तम समय है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन व डेरी मंत्री परशोत्तम रूपाला ने कहा कि पशुपालन क्षेत्र तेज गति से विकास कर रहा है। इसमें महिलाओं का विशेष योगदान है।

हिसार : हकृवि का दीक्षांत समारोह, राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को प्रदान की डिग्रियां

कृषि क्षेत्र के समक्ष कई चुनौतियां, वैज्ञानिक खोजें समाधान : मुर्मू

बोलीं-गर्व का विषय कि बेटियां अनेक क्षेत्रों में बढ़ रही हैं आगे

नरेन्द्र ख्यालिया/निस
हिसार, 24 अप्रैल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्रियां व गोल्ड मेडल प्रदान करने के दौरान संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आज कृषि क्षेत्र के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चिंताएं हैं, जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों, वैज्ञानिकों का दायित्व है। आज ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे हमारी विशाल जनसंख्या को पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। यह एक चुनौती भी है और अवसर भी। 'मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि पेशेवर अपनी शिक्षा के बल पर इस चुनौती को अवसर में बदल देंगे।

समारोह में राज्यपाल और विवि के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल और विधानसभा उपाध्यक्ष रणबीर गंगवा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में आधे से अधिक बेटियों की संख्या से गौरवान्वित हुई राष्ट्रपति ने कहा कि आज गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में भी 70 प्रतिशत से अधिक छात्राएं हैं। यह संतोष और गर्व का विषय है कि बेटियां कृषि एवं संबद्ध विज्ञान सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं। आज चुनौतियों को स्वीकार करने और अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर है।

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने मेडल और पुरस्कार प्राप्त छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में 5वें रैंक पर आता है।

समारोह में राज्यसभा सांसद लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डीपी वत्स, मुख्य सचिव संजीव कौशल, पुलिस महानिदेशक पीके अग्रवाल, कुलपति डॉ. बीआर कंबोज सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

हिसार में सोमवार को हकृवि के 25वें दीक्षांत समारोह में छात्रा को गोल्ड मेडल देतीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु। उनके साथ हैं राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री मनोहर लाल व अन्य। -निस

शिक्षा से अर्जित ज्ञान समाजसेवा में लगायें : मनोहर लाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि युवा वैज्ञानिक अपनी उपलब्धियों से कृषि विवि के साथ-साथ हरियाणा का नाम देश-विदेश में रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षार्थ आइये, सेवार्थ जाइये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा से प्राप्त ज्ञान को समाज सेवा में लगाना चाहिए।

केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में योगदान देने में हरियाणा दूसरा सबसे बड़ा राज्य

राष्ट्रपति ने कहा कि आज हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि का श्रेय केंद्र और राज्य सरकारों की किसान हितैषी नीतियों, हरियाणा कृषि विवि की तकनीकी पहल और सबसे बढकर यहां के किसानों की नवीनतम कृषि तकनीकों को अपनाने की इच्छाशक्ति को जाता है। 'मुझे पूरा विश्वास है कि यहां के मेहनती निवासियों की कुशाग्रता और सामर्थ्य के बल पर हरियाणा का भविष्य और भी उज्ज्वल होगा।'

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	25-5-23	1	1-4

महिलाओं को प्रशिक्षण, कौशल विकास व नेतृत्व के लिए अवसर देने होंगे : मुर्मू

बोलीं- मैं भी किसान की बेटी, गर्व है कि डिग्री-मेडल लेने वालों में 70% बेटियां

■ एनडीआरआई व एचएयू के दीक्षांत समारोह में पहुंचीं राष्ट्रपति

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार/करनाल। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि महिलाओं को नेतृत्व प्रदान करने के लिए समान अधिकार व अवसर देने होंगे। इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण व कौशल विकास के अधिक अवसर देने होंगे। उन्होंने कहा कि डेयरी उद्योग का महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में विशेष योगदान है। वह सोमवार को करनाल स्थित राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) के 19वें दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहीं थीं। इसके बाद कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा, मैं भी किसान की बेटी हूं और गर्व का विषय है कि डिग्री और मेडल लेने वालों में 70 फीसद बेटियां हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या, कम होती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन की चिंताओं का समाधान खोजना होगा। पर्यावरण जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुंचाते हुए अधिक से अधिक जनसंख्या को पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराने की चुनौती है।

राष्ट्रपति सुबह पहले करनाल स्थित एनडीआरआई में पहुंचीं। उनके साथ राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी थे। यहां राष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत दुनिया का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है। गर्व की बात यह कि डेयरी उद्योग में नारी शक्ति की अहम भूमिका है और 70 प्रतिशत से अधिक महिलाओं की भागीदारी है। डेयरी फार्मिंग में महिलाओं को उद्यमी बनाने को आसान ऋण की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

हिसार। एचएयू में आयोजित दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक विजेता छात्रा को डिग्री भेंट करतीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू। साथ में राज्यपाल, सीएम और कृषि मंत्री। संवाद

युवाओं से आह्वान- रोजगार लेने के साथ उद्यमी भी बनें

राष्ट्रपति ने एनडीआरआई में क्लोन संबंधी शोध के लिए विज्ञानियों को बधाई देते हुए कहा कि दूध उत्पादन और डेयरी सेक्टर को लंबे समय तक कायम रहने वाला बनाना आज चुनौती है। इसका समाधान निकालने के लिए सरकार सहित सभी संस्थाओं के सहयोग की जरूरत है। एनडीआरआई ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए विभिन्न तकनीकों को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही बायोगैस उत्पादन जैसी क्लीन एनर्जी पर भी बल दे रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि विद्यार्थी राष्ट्र की प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें और डेयरी उद्योग में रोजगार प्राप्त करने के साथ-साथ उद्यमी अवश्य बनें। >> पेज 2

राष्ट्रपति ने कहा-

- मिट्टी की उर्वरकता, गिरता भूजल, घटती कृषि जोत चिंता के विषय
- जलवायु को नुकसान पहुंचाए बिना करना होगा पोषण वाला अन्न उत्पादन

चुनौतियां स्वीकारने और सपने को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर

एचएयू में राष्ट्रपति ने कहा कि यह दीक्षांत समारोह केवल डिग्री, पुरस्कार या पदक प्रदान करने का ही अवसर नहीं है, बल्कि अर्जित क्षमताओं के माध्यम से चुनौतियों को स्वीकार करना और अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर है। आज आपकी शिक्षा का एक हिस्सा पूरा हुआ है।

- विद्यार्थी के रूप में आप सभी ने जो भी सीखा है, उसका व्यावहारिक रूप से उपयोग करने का अवसर जीवन में आएगा। दुनिया भर के नवीनतम नवाचारों से अवगत रहना होगा। हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य है। एचएयू में प्रतिवर्ष लगभग 18000 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाले बीजों का उत्पादन होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दै लो हिसार	24.04.2023		

एचएयू से डिग्री लेने वाले स्नातक किसानों की खुशहाली के लिए जमीनी स्तर पर करें काम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

हिसार, भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कृषि वैज्ञानिकों का आह्वान करते हुए कहा कि आज कृषि के समक्ष बढ़ती जनसंख्या, सिकुड़ती कृषि भूमि, गिरते भूजल-स्तर, मिट्टी की घटती उर्वरता, जलवायु परिवर्तन जैसी अनेक चिंताएं हैं, जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों, वैज्ञानिकों का दायित्व है। आज ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे हमारी विशाल जनसंख्या को पर्यावरण और जैव-विविधता को कम से कम नुकसान पहुँचाते हुए पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। यह एक चुनौती भी है और अवसर भी। मुझे पूरा विश्वास है कि कृषि पेशेवर अपनी शिक्षा के बल पर इस चुनौती को अवसर में बदल देंगे। राष्ट्रपति ने आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के 25वें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विद्यार्थियों को डिग्रियां व गोल्ड मेडल प्रदान किये। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल और

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री बंडारू दत्तात्रेय, मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जेपी दलाल और विधानसभा उपाध्यक्ष श्री रणबीर गंगवा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति ने कृषि वैज्ञानिकों से किया आह्वान, कृषि के समक्ष कई चुनौतियां, जिनका समाधान खोजना कृषि पेशेवरों का दायित्व

डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में से आधे से अधिक बेटियां, यह गर्व का विषय है कि हमारी बेटियां अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं- राष्ट्रपति
हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य : श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में पांचवें रैंक पर- राज्यपाल
युवा वैज्ञानिक अपनी उपलब्धियों से कृषि विश्वविद्यालय के साथ-साथ हरियाणा का नाम देश-विदेश में करेंगे रोशन- मुख्यमंत्री

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में पांचवें रैंक पर- राज्यपाल

हिसार : दीक्षांत समारोह में हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने मेडल और पुरस्कार प्राप्त छात्रों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भारत के कृषि विश्वविद्यालयों में पांचवें रैंक पर आता है। पिछले कुछ समय में ही चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने समय की मांग के अनुसार कार्य करते हुए मेन कैम्पस में मत्स्य विज्ञान और बायोटेक्नोलॉजी के दो नए कॉलेजों की स्थापना की है। विश्वविद्यालय ने गुरुग्राम में कृषि उद्यमिता एवं व्यापार प्रबंधन संस्थान की भी स्थापना की है। इसी तरह से प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय ने दीन दयाल उपाध्याय उत्कृष्टता केन्द्र के नाम से 123 एकड़ में जैविक कृषि फार्म की स्थापना की है। गेहूं और चावल के अतिरिक्त अन्य मोटे अनाजों के अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र को भिवानी के गोकुलपुरा में स्थापित किया गया है। जल संरक्षण नीति के तहत विश्वविद्यालय ने धान की खेती में पानी को बचाने के लिए प्रत्यक्ष प्रत्यारोपण तकनीक का विकास किया है।

राज्यपाल ने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने एक इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर विकसित करने में कामयाबी हासिल की है। बैटरी द्वारा संचालित यह इस ट्रैक्टर को चलाने की लागत डीजल की तुलना में बहुत सस्ती है। विश्वविद्यालय ने युवाओं के बीच कृषि उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए हैं, जिसके तहत 90 से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं।

स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरेट स्तर के गोल्ड मेडल पाने वालों में 54 लड़कियां व 26 लड़के

- डॉ. वी.डी. कश्यप गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को बेस्ट पीएचडी रिसर्च वर्क के लिए। - सिल्वर जुबली गोल्ड मेडल फॉर सुमन : सात विद्यार्थियों को बेस्ट पीएचडी थिसिस के लिए। - डॉ. आर.एन. पाल मेमोरियल गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को बेस्ट पीएचडी थिसिस के लिए। - डॉ. सविता सिंगल गोल्ड मेडल : तीन विद्यार्थियों को हरियाणा में ग्रामीण विकास पर गृह-विज्ञान की पीएचडी थिसिस के लिए।
- डॉ. रतन लाल गोल्ड मेडल : 2.5 विद्यार्थियों को मृदा विभाग में बेस्ट रिसर्च वर्क के लिए। - डॉ. चिरंजीव लाल कश्यप गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को एमएससी होम साइंस में अधिकतम अंक लेने व क्वालिटी थिसिस के लिए।
- डॉ. रामधन सिंह गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को एमएससी जेनेटिक्स एवं प्लांट ब्रीडिंग में बेस्ट परफोरमेंस के लिए।
- डॉ. एस.डी. सिंहानन गोल्ड मेडल : छह विद्यार्थियों को एमएससी मृदा विज्ञान सॉयल साइंस में बेस्ट परफार्मेंस के लिए।
- डॉ. एस.आर. व्यास गोल्ड मेडल : सात विद्यार्थियों को एमएससी माइक्रोबायोलॉजी में बेस्ट परफोरमेंस के लिए।
- डॉ. एस.बी. फोगाट मेमोरियल गोल्ड मेडल : पांच विद्यार्थियों को एमएससी एग्रोनॉमी में बेस्ट परफोरमेंस के लिए।
- यूनिवर्सिटी लेवल गोल्ड मेडल : 22 विद्यार्थियों को एमएससी/पीएचडी में बेस्ट परफोरमेंस के लिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	24.04.2023		

युवा वैज्ञानिक अपनी उपलब्धियों से कृषि विश्वविद्यालय के साथ-साथ हरियाणा का नाम देश-विदेश में करेंगे रोशन- मुख्यमंत्री

दीक्षांत समारोह शेष खबर

आज चुनौतियों को स्वीकार करने और अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेने का अवसर

हरियाणा केंद्रीय खाद्यान्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदान देने वाला राज्य

खाद्यान्न उत्पादन बढ़कर 183 लाख टन पर पहुंचा

दीक्षांत समारोह- 124 विद्यार्थियों में से 89 बेटियां बनीं गोल्ड मेडलिस्ट, 4 को राष्ट्रपति ने किया सम्मानित